झलकियां -2020

भारत में दुर्घटनाएं

	2019	2020
दुर्घटना में व्यक्तियों की मृत्यु	4,21,104	3,74,397
*दुर्घटना की मृत्यु दर	31.4	27.7

* दर प्रति एक लाख जनसंख्या के अनुसार

- वर्ष 2020 के दौरान अधिकतम मृत्यु, आयु समूह '30 वर्ष एवं उससे ऊपर - 45 वर्ष से कम' में (1,12,874 मृत्यु, 30.1%) उसके बाद आयु समूह '18 वर्ष एवं उससे ऊपर - 30 वर्ष से कम' में (96,738 मृत्यु, 25.8%) दर्ज की गई।

प्राकृतिक ताकतों के कारण दुर्घटनाएं

- देश में प्राकृतिक ताकतों के कारण कुल 7,405 मृत्यु दर्ज हुई।
- प्राकृतिक ताकतों के कारण हुई 7,405 मृत्यु में से, 38.6% मृत्यु 'आकाशीय बिजली' गिरने से, 13.0% मृत्यु 'बाढ़' से तथा 10.5% मृत्यु 'शीतलहर' से दर्ज की गई।
- प्राकृतिक ताकतों से हुई दुर्घटनाओं में मारे गए पीड़ितों में से अधिकांश (46.1%) पीड़ित 30 से 45 वर्ष (24.5%) एवं 60 वर्ष एवं उससे ऊपर (21.6%) आयु-वर्ग के थे।
- 'आकाशीय बिजली' शीर्षक के तहत बिहार (436), मध्य प्रदेश (429), झारखंड (336) एवं उत्तर प्रदेश (304) पीड़ितों के मामलों में सबसे बड़े राज्य / सं.शा. प्रदेश हैं।
- देश में प्राकृतिक ताकतों के कारण हुई कुल 7,405 मृत्यु में से 311 (4.2%) मृत्यु 53 बड़े शहरों में दर्ज की गई।

अन्य कारणों से हुई दुर्घटनाएं

- इस शीर्षक के तहत प्राकृतिक ताकतों के अलावा, वे अन्य कारण शामिल है जिनके कारण दुर्घटनायें या मृत्यु हुईं। इनमें लोगों द्वारा जानबूझकर किए गये या लापरवाही पूर्ण आचरण शामिल हैं।
- कुल 5,88,738 मामले दर्ज किए गए जिसमें 3,66,992 व्यक्तियों की मृत्यु हुई तथा 3,38,903 व्यक्ति घायल हुए।
- पुरुष-महिला मृत्यु का अनुपात–80.6:19.4 था।

- दुर्घटना में मृत्यु के मुख्य कारण (i) 'यातायात दुर्घटनाएं' (39.9%), (ii) 'अकस्मात मृत्यु' (प्रकाशन के आखिरी में दी गयी शब्दावली को देखें) (13.6%), (iii) 'डूबकर मरना' (10.1%), (iv) 'जहर से' (6.1%), (v) 'ऊँचाई से गिरने से' (5.6%) तथा (vi) 'अग्नि दुर्घटना' (2.5%) ।
- देश में 'अन्य कारणों से हुई दुर्घटनाओं' के तहत मारे गए अधिकांश (56.2%) पीड़ित 30 से 45 वर्ष (30.3%) एवं 18 से 30 वर्ष (26.0%) के आयु समूह के थे।
- देश में 2020 के दौरान अग्नि दुर्घटनाओं के 11,037 मामले सामने आए जिसमें 9,110 व्यक्ति मारे गए एवं 468 व्यक्ति घायल हुए।
- वर्ष 2020 के दौरान डूबने और जहर के कारण क्रमशः 37,238 (10.1%) तथा 22,221 (6.1%) मृत्यु हुईं।

यातायात दुर्घटनाएं

- वर्ष के दौरान कुल 3,68,828 यातायात दुर्घटनाएं दर्ज की गई जिसमें 3,54,796 'सड़क दुर्घटना,' 1,014 ' रेलवे क्रासिंग दुर्घटना' और 13,018 'रेल दुर्घटना' शामिल हैं। इन दुर्घटनाओं के कारण 3,36,248 व्यक्ति घायल हुए और 1,46,354 मारे गए।
- 'सड़क दुर्घटनाओं', 'रेल दुर्घटनाओं' और 'रेलवे क्रासिंग' दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मृत्यु का प्रतिशत क्रमशः 91.0% (1,33,201 मृत्यु), 8.2% (11,968 मृत्यु) एवं 0.8% (1,185 मृत्यु) है।
- यह ध्यान देने योग्य बात है कि देश में जनवरी (41,199) तथा फरवरी (40,012) में अधिकतम यातायात दुर्घटनाएं हुई और समय-अवधि के विश्लेषण के अनुसार अधिकतम यातायात दुर्घटनाएं, (72,086) 18:00 बजे से 21:00 बजे के दौरान दर्ज की गईं।

सड़क दुर्घटनाएं

- वर्ष 2020 के दौरान 'यातायात दुर्घटनाओं' के 3,54,796 मामले दर्ज किए गए जिसमें 3,35,050 व्यक्ति घायल हुए तथा 1,33,201 मारे गए।
- सड़क दुर्घटनाओं में 43.6% पीड़ित 'दो पहिया चालक' थे, उसके बाद कार, ट्रक/लॉरी एवं बसों से सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु का प्रतिशत क्रमशः 13.2%, 12.8% एवं 3.1% था।
- अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं बहुत तेज गाड़ी चलाने के कारण हुई जो कि कुल दुर्घटनाओं का (60.6%) था , जिसके कारण 75,333 मृत्यु हुईं तथा 2,09,736 व्यक्ति घायल हुए। खतरनाक/लापरवाही से गाड़ी चलाने या

ओवरटेक करने की वजह से 24.3% सड़क दुर्घटनाएं हुईं जो कि 35,219 व्यक्तियों की मृत्यु का कारण बनी एवं 77,067 व्यक्ति घायल हुए। इसके अलावा 2.4% सड़क दुर्घटनाएं मौसम की खराब स्थिति के कारण हुईं।

- ग्रामीण क्षेत्रों (2,11,351 मामले) और शहरी क्षेत्रों (1,43,445 मामले) में क्रमशः 59.6% और 40.4% सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं।
- सड़क दुर्घटनाओं के कुल मामलों का 31.8% (3,54,796 मामलों में से 1,12,879 मामले) रिहायशी इलाकों में दर्ज हुआ।

रेल दुर्घटनाएं

- वर्ष 2020 के दौरान कुल 13,018 रेल दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। इन रेल दुर्घटनाओं में 1,127 व्यक्ति घायल हुए एवं 11,968 व्यक्ति मारे गए।
- अधिकांश रेल दुर्घटनाएं 70.0% रेलगाड़ी से गिरने/रेल की पटरी पर लोगों की रेल से टक्कर के कारण हुईं (13,018 में से 9,117)।

रेलवे क्रासिंग दुर्घटनाएं

- रेलवे क्रासिंग दुर्घटना के कुल 1,014 मामले दर्ज हुए जिसमें 1,185 व्यक्ति मारे गए तथा 71 व्यक्ति घायल हुए।
- उत्तर प्रदेश में रेलवे क्रासिंग दुर्घटनाओं के सबसे अधिक मामले (1,014 मामलों में से 380 मामले) दर्ज हुए जो कि ऐसी कुल घटनाओं का 37.5% था।

भारत में आत्महत्या

	2019	2020
आत्महत्या	1,39,123	1,53,052
*आत्महत्या की दर	10.4	11.3

* दर प्रति एक लाख जनसंख्या के अनुसार

- वर्ष 2019 (1,39,123 आत्महत्याएं) की तुलना में वर्ष 2020 (1,53,052 आत्महत्याएं) के दौरान आत्महत्याओं के मामलों में वृद्धि देखी गई।
- शहरों में आत्महत्या की दर (14.8) अखिल भारतीय आत्महत्या दर की तुलना में (11.3) अधिक थी।
- वर्ष 2020 के दौरान 'पारिवारिक समस्यायें' (विवाह संबंधी समस्याओं के अलावा) (33.6%), विवाह संबंधी समस्यायें (5.0%) तथा 'बीमारी' (18.0%) सभी को मिलाकर देश की कुल आत्महत्या का 56.7% अंकित हुआ।
- पुरुष :महिला आत्महत्या पीड़ितों का कुल अनुपात 70.9:29.1
- लगभग 67.3% पुरुष पीड़ितों में शादीशुदा थे और 63.1% महिलाएं शादीशुदा थी।
- 12.6% आत्महत्या पीड़ित अनपढ़ थे ,15.8% आत्महत्या पीड़ित प्राथमिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त थे ,19.5% आत्महत्या पीड़ित माध्यमिक स्तर तक तथा 23.4% आत्महत्या पीड़ित मैट्रिक स्तर तक शिक्षा प्राप्त थे। कुल आत्महत्या पीड़ितों में से केवल 4.0% स्नातक एवं उससे ऊपर के थे।
- आत्महत्या करने के तरीकों में 'फांसी लगाना' (57.8%), 'जहर' खाना (25.0%), 'डूबकर मरना' (5.2%) तथा ' आत्मदाह' (3.0%) मुख्य रूप से पाये गये।
- सामूहिक/पारिवारिक आत्महत्या के अधिकांश मामले तमिलनाडु (22) उसके बाद आंध्र प्रदेश (19), मध्य प्रदेश (18) एवं राजस्थान (15) से दर्ज हुए ।